कृषि विज्ञान केन्द्र
गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

जनवरी, 2025, अंक 9

महिला स्वरोजगार हेतु व्यवसायिक कौशल प्रशिक्षण समापन समारोह का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा महिलाओं एवं युवतियों को स्व–रोजगार हेतु दक्षता बढाने के लिए दिनांक 11 नवम्बर 2024 से 13 दिसम्बर 2024 तक सिलाई एवं सजावटी सामान बनाने का कौशल प्रशिक्षण गांव बरलाजसर में दिया गया। प्रशिक्षण में अनुसूचित जाति उप–योजना अन्तर्गत 17 महिलाओं एवं युवतियों ने भाग लिया । उक्त अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द, सभागार में 200 घंटे के कौशल प्रशिक्षण का समापन समारोह आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं एवं युवतियों को स्व–रोजगार हेतु प्रेरित करते हुए स्वंय के कौशल के द्वारा आत्मनिर्भर बनाना था ताकि वे स्वंय की आय अर्जित करके आजीविका को और अधिक सुदृढ कर अपने आर्थिक स्तर को बढा सके । प्रशिक्षणार्थियों को कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के वस्त्रों (बैग, पर्दे, तकिया कवर, सलवार सूट, राजपूती पौशाक, स्कूल ड्रेस) की कटाई, सिलाई करके आईटम बनाना सिखाया गया । इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान तथा गिफ्ट आईटम बनाना भी सिखाया गया । समापन समारोह में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए तथा कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने कृषि एवं महिलाओं के स्व–रोजगार संबंधित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी ।

तिलहन फसलों की उत्पादन तकनीक विषय पर प्रशिक्षण आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर तथा कृषि विभाग, चूरू के समन्वय से दिनांक 15 से 16 दिसम्बर 2024 को रबी तिलहन फसलों की उत्पाद तकनीक विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन हुआ जिसमें सरदारशहर तहसील के 21 कृषकों ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण के अन्तर्गत केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने चूरू जिले की परिस्थितियों के अनुरूप सरसों फसल की कम समय में पकने वाली एवं खारे पानी में अच्छा उत्पादन देने वाली किस्मों के चयन, बीज उपचार, खाद एवं उर्वरक प्रबंधन, मुख्य पोषक तत्वों के साथ–साथ तिलहन में गंधक एवं जिप्सम के प्रयोग, खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कीट व रोग प्रबंधन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी । सभी प्रशिक्षणार्थियों को केन्द्र के फसल संग्रहालय तथा विभिन्न इकाईयों का भ्रमण करवाया गया ।

पशुपालन की अग्रिम प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण सम्पन्न

कृषि विज्ञान केन्द द्वारा दिनांक 18.12.24 को राजकीय एवं गैर राजकीय सेवारत पशुधन सहायको (LSA) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें जिले के 54 प्रसार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के पशुपालन विशेषज्ञ श्री श्यामबिहारी द्वारा पशुओं के लिए हरा चारा उत्पादन तकनीकी और अजोला उत्पादन तकनीकी के साथ–साथ ठंड से पशुओं को बचाने के प्रबंध के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में पशुपालन विभाग के वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. निरंजन चिरानिया और उप निदेशक पशुपालन ने विभाग की विभिन्न योजनाओं, पशुओं के स्वास्थय प्रबंधन, कृत्रिम गर्भाधान और टीकाकरण के बारे में जानकारी दी । केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने कृषि विज्ञान केन्द द्वारा चलाई जा रही पशुपालन तथा चारा उत्पादन संबंधित सभी गतिविधियों के बारे में विस्तृत चर्चा करते हुये पशुधन सहायकों से आह्वान किया कि वे सभी पशुपालाको के हितो को सर्वोपरी रखते हुए कार्य करें ।

कृषि प्रसार कार्यकर्ताओं हेतू प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द सभागार में दिनांक 20.12.24 को राजकीय सेवारत कृषि पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें चूरू जिले के 30 प्रसार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया । इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी ने मिट्टी एवं पानी जांच पर आधारित संतुलित उर्वरकों के उपयोग पर जोर देते हुए फसलों में सुक्ष्म तत्वों की उपयोगिता की जानकारी दी । सहायक निदेशक कृषि प्रसार गोविंदसिंह ने सरकार की कृषि से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका कियान्वित करने एवं फसलों में अधिक उत्पादन लेने हेतु विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी दी । कृषि विज्ञान केन्द के विशेषज्ञ श्री मुकेश शर्मा ने रबी फसलों में लगने वाले कीट व बीमारियों व उनके प्रबंधन की जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती को अपनाने हेतु जोर दिया । सस्य विज्ञान विशेषज्ञ श्री हरीश कुमार रछौया ने रबी फसलों में खरपतवार व सिंचाई प्रबंधन के बिन्दुओं पर चर्चा के साथ–साथ जिले के लिए उपयुक्त जैव सवंर्धित किस्मों के बारे में जानकारी सांझा की । प्रशिक्षण के दौरान चूरू जिले के अनुरूप फसलोत्पादन की अग्रिम एवं नवीन तकनीकों का उपयोग करते हुए टिकाउ उत्पादन प्राप्त करने के विभिन्न आयामों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई । सभी प्रशिक्षणार्थियों में अपने–अपने क्षैत्र से संबंधित सुझाव भी फीड–बैक के रूप में प्रेषित किये ।

निदेशक, अटारी–जोधपुर द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र का अवलोकन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि तकनीकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (ICAR-ATARI) जोधपुर के निदेशक डॉ. जे.पी.मिश्रा ने दिनांक 22 दिसम्बर 2024 को कृषि विज्ञान केन्द का अवलोकन किया । कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख तथा अन्य विशेषज्ञों ने कृषि विज्ञान केन्द द्वारा जिले में की जा रही कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, महिला सशक्तिकरण संबंधित सभी गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया । इस दौरान निदेशक महोदय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द की विभिन्न प्रदर्शन इकाईयों (नर्सरी, केवीके फार्म, दालमिल, डेयरी, फसल संग्रहालय, ग्वारपाठा युनिट, खाद्य प्रसंस्करण युनिट आदि) का अवलोकन किया गया तथा सभी विशेषज्ञों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये गये। वार्तालाप के दौरान निदेशक महोदय ने जिले की आवश्यकता अनुरूप कम पानी में उगने वाली फसलों की किस्मों तथा सुखा सहनशील किस्मों एवं पशुपालन से संबंधित गतिविधियों के प्रयोग एवं अनुप्रयोग हेतु अधिकाधिक प्रयास करने हेतु सुझाया ।

रबी–तिलहन फसलों में सुक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व एवं उपयोग विषय पर प्रशिक्षण आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा रबी तिलहनी फसलों (तारामीरा, सरसों) में सुक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग एवं महत्व विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन गांव बरलाजसर में दिनांक 27.12.2024 को किया गया, जिसमें गांव की 23 प्रगतिशील किसान महिलाओं ने भाग लिया । तिलहनी फसलों में पौधों के विकास एवं उत्पादन हेतु सुक्ष्म पोषक तत्व (जिंक, लोहा, मैंगनीज, तांबा, बोरॉन, मोलिब्डेनम आदि) महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इनके सही संतुलन से ही बेहतर उत्पादन, रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं उच्च गुणवता वाली फसल प्राप्त होती है । उक्त पहलुओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण दौरान किसान महिलाओं को सुक्ष्म पोषक तत्वों के विभिन्न उचित अवयवों के संतुलित मात्रा में प्रयोग करने हेतु प्रशिक्षित किया गया ।

कृषि अपशिष्ट प्रबंधन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा ''वर्मी कम्पोस्ट तकनीक का उपयोग कर कृषि अपशिष्ट प्रबंधन '' विषय पर दिनांक 28.12.24 को ग्राम उडसर लोडेरा में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें गांव के 20 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया । कृषि अपशिष्ट प्रबंधन में वर्मी कम्पोस्ट एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसके उपयोग से मृदा सरंचना, वायुसंचार तथा जल धारण क्षमता में सुधार करने के साथ ही सुक्ष्म जीवाणु भी सक्रिय होते है जिससे मृदा में ह्यूमस की मात्रा में वृद्वि होती है । इसी सदर्भ में प्रशिक्षण के दौरान किसानों को गाय के गोबर तथा कृषि अपशिष्ट प्रबंधन के

उचित उपयोग हेतु वर्मी कम्पोस्ट बनाने की विधि, क्यारी निर्माण तथा केंचुआ पालन की विधि को विस्तारपूर्वक समझाया गया । कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी.के.सैनी द्वारा मौसमी फसलों, सब्जियों एवं फलदार वृक्षों में वर्मीकम्पोस्ट को उचित मात्रा में उपयोग करते हुये उत्पादकता बढाने हेतु प्रशिक्षित किया ।

मृदा स्वास्थय कार्ड सिफारिशों के अनुरूप फसल पोषण प्रबंधन पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द, गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर द्वारा दिनांक 30.12.2024 को ग्राम मालसर में ''रबी फसलों हेतु मिट्टी जांच आधारित पोषण प्रबंधन विषय पर असंस्थागत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के 14 किसानों एवं 7 किसान महिलाओं ने भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान केन्द्र के कार्यक्रम संयोजक श्री हरीश कुमार रछौया ने किसानों को मृदा स्वास्थय कार्ड में दी गई सिफरिशों के अनुरूप संतुलित मात्रा में पोषक तत्वों के उपयोग हेतु प्रशिक्षित किया गया। साथ ही जैव उर्वरकों का रासायनिक उर्वरकों के साथ एकीकृत उपयोग करने हेतु जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में फसलों में मुख्यतः जौ गेहूँ में पीलापन की रोकथाम हेतु फेरस सल्फेट 5 ग्राम/लीटर साथ में नींबू के सत् (Citric acid)1 ग्राम/लीटर पानी में घोलकर खडी फसल में छिडकाव करने हेतु जानकारी दी गई ।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री मुकेश शर्मा (पौध सरंक्षण विशेषज्ञ) श्री हरीशकुमार रछौया (फसल उत्पादन विशेषज्ञ) श्री श्याम बिहारी (पशुपालन विशेषज्ञ) श्री अजय कुमावत (बागवानी विशेषज्ञ) श्री रमेश चौधरी (वरिष्ठ अनुसन्धान अध्येता-NICRA)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I